पंतनगर विश्वविद्यालय बनेगा शोध उन्मुख विश्वविद्यालय : कुलपति

पंतनगर, 6 मई 2026। गोविन्द भल्लभ पन्त कृषि अवम प्रोद्योगिकी विश्विद्यालय में आज आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कुलपति प्रोफेसर शिवेंद्र कुमार कश्यप ने विश्वविद्यालय के भावी दृष्टिकोण को साझा करते हुए कहा कि पंतनगर विश्वविद्यालय को एक शोध उन्मुख (Research-Oriented) विश्वविद्यालय के रूप में विकसित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में ऐसे शोध कार्यों को बढ़ावा दिया जाएगा जो सीधे तौर पर किसानों और उद्योगों से जुड़े हों। इस दिशा में अपार संभावनाएं हैं और लक्ष्य यह है कि देश के शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में पंतनगर का नाम प्रमुखता से स्थापित हो।

कुलपति ने कहा कि गोविन्द भल्लभ पन्त कृषि अवम प्रोद्योगिकी विश्विद्यालय, जो कि लैंड ग्रांट पैटर्न पर आधारित है, में शिक्षण, शोध एवं प्रसार (Teaching, Research & Extension) तीनों को समान रूप से सशक्त किया जाएगा। इसके लिए एक सुदृढ़ इकोसिस्टम विकसित किया जाएगा, जिसमें नवाचार, प्रेरणा एवं समस्या समाधान को प्राथमिकता दी जाएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि लोगों की छोटी-छोटी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए सप्ताह में 3 दिन वे स्वयं समस्याओं को सुनेंगे और अगले 24 घंटे में उन समस्याओं के निराकरण का प्रयास करेंगे।

कुलपति ने जोर देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के समग्र विकास के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। विशेष रूप से पर्वतीय कृषि एवं उद्योगों को पुनर्जीवित करने तथा प्रसार तंत्र को मजबूत करने पर बल दिया जाएगा।

मीडिया की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि सूचना संप्रेषण तंत्र को सशक्त किया जाएगा। किसानों को मौसम संबंधी जानकारी प्रतिदिन उपलब्ध कराई जाएगी, तथा मीडिया के माध्यम से नियमित बुलेटिन एवं प्रगति रिपोर्ट जारी की जाएंगी।

कुलपति प्रोफेसर कश्यप ने कहा कि विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों एवं शोध केन्द्रों में हो रहे नवीन अनुसंधान कार्यों को व्यापक रूप से प्रकाशित किया जाएगा। इन शोध कार्यों को विशेष समाचार (एक्सक्लूसिव स्टोरी) के रूप में प्रस्तुत करने पर बल दिया जाएगा ताकि प्रभावी रूप मे वे समाज तक पहुंचे और उनकी उपयोगिता सिद्ध हो सके।

उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों को आमंत्रित करते हुए कहा कि वे विश्वविद्यालय के शोध केन्द्रों का भ्रमण करें, वैज्ञानिकों से सीधे संवाद स्थापित करें तथा उनके कार्यों पर आधारित समाचार तैयार करें। इससे शोध कार्यों की वास्तविकता और उपयोगिता जनसामान्य तक पहुंचाने में सहायता मिलेगी।

कुलपति ने यह भी बताया कि वीडियो आधारित समाचार सामग्री तैयार करने के लिए मीडिया पेशेवरों को विश्वविद्यालय में समुचित स्थान एवं सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

किसानों से संबंधित सभी जानकारियां सरल एवं सहज भाषा में उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा ताकि वे उन्हें आसानी से समझ सकें और अपने कार्य में उपयोग कर सकें।

इसके अतिरिक्त, कृषि विज्ञानं केंद्र तथा विभिन्न प्रदेश सरकार के विभिन्न लाइन डिपार्टमेंट के साथ समन्वय स्थापित कर प्रसार तंत्र को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। एक समग्र कार्ययोजना के अंतर्गत इन सभी गतिविधियों को प्रभावी रूप से क्रियान्वित किया जाएगा, जिससे कृषि एवं ग्रामीण विकास को नई दिशा मिल सके।

प्रेस वार्ता के प्रारम्भ में निदेशक संचार डॉ जे पी जायसवाल द्वारा कुलपति एवं प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के सभी प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए मीडिया द्वारा विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों को समाज तक पहुंचाने के लिए

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार के सहयोग की अपेक्षा की। इस अवसार पर सहायक निदेशक संचार, डॉ अर्पिता शर्मा कांडपाल भी उपस्थित थीं